University in News on 1 January 2020

DAINIK JAGRAN Page No. 8

वीसी ने मांगीं तीन साल की उपलब्धियां

विवि के प्रशासनिक जिम्मेदारों के साथ की बैठक तीन दिन में सभी विभाग तैयारी कर दें अपना प्रजेंटेशन

[illegible]

[illegible]

इन बिंदुओं पर मांगा प्रजेंटेशन

[illegible]

AMAR UJALA MY CITY Page No. 5

पीपीटी के जरिए बतानी होंगी चुनौतियां और उपलब्धियां

लविवि के नए कुलपति ने प्रशासनिक अधिकारियों संग पहली बैठक में दिए निर्देश

माई सिटी रिपोर्टर

लखनऊ। प्रबंधन के शिक्षक के लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति बनने का असर पहले दिन से ही नजर आने लगा है। नवनियुक्त कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने मंगलवार को पहली ही बैठक में विवि के सभी प्रशासनिक अधिकारियों को उनके विभागों के कामकाज, उपलब्धियों और चुनौतियों को बताते हुए पॉवर प्वाइंट प्रेजेंटेशन (पीपीटी) देने को कहा है।

कुलपति ने सोमवार रात 9.30 बजे कार्यभार ग्रहण किया था। मंगलवार सुबह 11.30 बजे उन्होंने सभी प्रशासनिक अधिकारियों की बैठक बुलाई। सामान्य परिचय के बाद उन्होंने सभी प्रशासनिक अधिकारियों को उनके यहां के कामकाज की प्रक्रिया के साथ ही पिछले तीन साल की उपलब्धियों का ब्योरा तैयार करने को कहा है। पीपीटी में कामकाज में आने वाली

विभागों के कामकाज की पूरी प्रक्रिया को विस्तार से समझाना होगा

समस्याओं तथा आगे की कार्ययोजना देने को भी कहा गया है। इसके लिए प्रशासनिक अधिकारियों को एक सप्ताह का समय दिया गया है। इसके बाद सभी को बारी-बारी से प्रेजेंटेशन के लिए बुलाया जाएगा। यह आदेश कुलसचिव, उप-कुलसचिव, परीक्षा नियंत्रक के साथ ही प्रॉक्टर, अधिष्ठाता छात्र कल्याण, कार्य अधीक्षक समेत सभी प्रशासनिक अधिकारियों पर लागू होगा।

दिनभर चला मेल-मिलाप का सिलसिला

लखनऊ विश्वविद्यालय में मंगलवार को कुलपति कार्यालय पर दिनभर मेल-मिलाप का सिलसिला चलता रहा। विवि के शिक्षकों के साथ ही बाहर से भी लोग नये कुलपति से मिलने और बधाई देने आते रहे। कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय सुबह 10 बजे अपने कार्यालय पहुंच गए तथा देर शाम तक वहीं रहे। उन्होंने दोपहर का भोजन भी कार्यालय में ही किया।

सभी अधिकारियों को निर्देश

"कुलपति ने सभी प्रशासनिक अधिकारियों को पीपीटी तैयार करने को कहा है। पीपीटी में उन्हें अपने विभाग में होने वाले कामकाज की प्रक्रिया, पिछले तीन साल की उपलब्धियों के साथ ही चुनौतियों का ब्योरा देने को कहा गया है।

– **संजय मेधावी**, प्रवक्ता, लविवि